विहार विधान सभा वादवृत्त

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में मंगलवार, तिथि २८ अप्रैल, १९५३ को पूर्वाह्न ११ बजे माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर।

Short notice Questions and Answers.

शिक्षण संस्थाओं के वितरण के लिये खरीदी गई पुस्तकें।

*२८०। श्री नवल किशोर सिंह—क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि बिहार राज्य ने सुपरिंटेंडेंट ऑफ लाइब्रेरिज़ के द्वारा पुस्तकालयों एवं शिक्षण संस्था को वितरण करने के लिए १९५२-५३ के वित्तीय वर्ष में पुस्तकें खरीदी थीं, यदि हां तो कितने रुपये की पुस्तकें खरीदी गई;

(ख) क्या यह बात सही है कि बहुत से पुस्तक विक्रेताओं को अभी तक कीमत अदा नहीं की गई है;

(ग) यदि ऐसी बात है तो सरकार इसके लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कोई कार्रवाई करना चाहती है, यदि नहीं तो क्यों;

(घ) किस तारीख तक उनके रुपये अदा हो जायंगे?

श्री बदरीनाथ वर्म्मा—(क) १९५१-५२ और १९५२-५३ दोनों ही वर्षों के ५२-५३ के वित्तीय वर्ष में कुल मिला कर लगभग ६ लाख रुपये की पुस्तकें खरीदने के लिए आर्डर दिया गया और उसके बाद कुछ पुस्तकें खरीदी भी गयीं।

(ख) बहुत तो नहीं, लेकिन कुछ प्रकाशकों और पुस्तक विक्रेताओं को कीमत अदा नहीं की गयी है।

(ग) सरकार के विचार में बिल का पेमेंट करने में अनावश्यक देरी नहीं की गयी है। बिल को बिना पूरा जांच किये और प्रमाणपत्र को देखे सभी कीमतों को अदा करना अनुचित है। फिर भी माननीय सदस्य को अगर किसी बिल के पेमेंट में अनावश्यक विलम्ब की सूचना मिली हो तो सरकार इस विषय की फौरन जांच करायेगी और आश्वयक आर्डर देगी।

(घ) आशा की जाती है कि दो मास के अन्दर सभी प्रकाशकों और पुस्तक विक्रेताओं को बिल का रुपया अदा हो जायगा।

श्री शरतचन्द्र दास—बिल की जो जांच करायी गयी तो उसमें गड़बड़ी पायी गयी या नहीं?

अध्यक्ष—यह सवाल नहीं उठता है।

*श्री पशुपति सिंह—खंड (ख) के जवाब में कहा गया है कि कुछ पुस्तक विक्रेताओं को बिल का पेमेंट नहीं हुआ, तो इसका क्या कारण है?

*सदस्य की अनुपस्थिति में श्री कपिलदेव नारायण सिंह के अनुरोध से उत्तर दिया गया।

The value of such consignments, exclusive of a large one the value of which could not be ascertained, amounted to about a lakh of rupees." Then there is another item about which it is stated as follows :—

"Altogether a heavy loss of more than a lakh of rupees was caused to Government due to the sale of fine rice as medium rice and medium rice as coarse one. In one district there was a loss of Rs. 67,204." Then there are other items such as "In one office a bale of cloth sold to Government officers was kept out of account and its price was not realised. In the same office no account of sale was maintained properly and sale proceeds were also kept out of account. The explanation of the Controlling officer is given at page 39 of the Report which says, "The Controlling Officer explained that the original file on the subject not forthcoming, it could not not be possible to know who were the Government servants to whom the bale of cloth was sold. He also regretted that due to lapse of a long time, it was not possible to find out anything about that. The Committee, although accepted the explanation, observed that this reply reflected badly on the working of the department." There are other items as well for example expenditure incurred on trucks for purchase of foodgrains. It is given as follows. "In some districts cases were noticed in which the expenditure incurred was either definitely wasteful or could have been avoided. For example, trucks were in many cases sent to places where there was no stock of foodgrains for transportation. Trucks were even sent out in defiance of orders of superior authority. In one district a sum of Rs. 891 was paid as hire charges for a truck which was not used for transporting grains."

इस्टर्न और नॉर्थ इस्टर्न रेलवे के जोनल यूजर्स कनसटेलटिव कमिटी के मेम्बरों का चुनाव ।

ELECTION OF MEMBERS TO ZONAL USERS' CONSULTATIVE COMMITTEE OF THE EASTERN AND NORTH EASTERN RAILWAYS.

SPEAKER : I would ask the Hon'ble Minister for Public Works Department to move his motion. The question of election is being unnecessary delayed.

Shri MUHAMMAD SHAFI : Sir, I beg to move :

That the Bihar Legislative Assembly do proceed to elect one member each to represent the Bihar Legislative Assembly on the reorganised Zonal Railway Users' Consultative Committee of North Eastern Railway and Eastern Railway repectively.

SPEAKER : The question is :

That the Bihar Legislative Assembly do proceed to elect one member each to represent the Bihar Legislative Assembly on the re-organized Zonal Railway Users' Consultative Committee of North Eastern Railway and Eastern Railway respectively.

The motion was adopted.

(Interval for lunch.)